

श्री महेश्वर सिंह, माननीय सदस्य विधान परिषद से प्राप्त तारांकित प्रश्न सं०- 1/212/92 का उत्तर प्रतिवेदन:-

प्रश्न	उत्तर प्रतिवेदन
<p>(क) क्या यह सही है कि राज्य के तीनों प्रमुख बराजों को नया जीवन प्रदान करने हेतु कोसी नदी के वीरपुर बराज, गंडक नदी के वाल्मीकिनगर बराज और सोन नदी के इन्द्रपुरी बराज को दुरूस्त करने की योजना सरकार ने बनाई है, जिससे 50 वर्ष पुराने तीनों बराज अपनी पूरी क्षमता से काम करने लगेंगे।</p>	<p>वस्तुस्थिति यह है कि कोशी नदी, गंडक नदी एवं सोन नदी पर निर्मित क्रमशः वीरपुर बराज, वाल्मीकिनगर बराज एवं इन्द्रपुरी बराज का निर्माण लगभग 60 वर्ष पूर्व किया गया है।</p> <p>विगत तीन वर्षों में आए अत्यधिक जलश्राव के सम्बन्ध में वस्तुस्थिति यह है कि वीरपुर बराज एवं वाल्मीकिनगर बराज से बाढ़ अवधि 2024 में क्रमशः 6.61 लाख क्यूसेक एवं 5.62 लाख क्यूसेक जलश्राव प्रवाहित हुआ है, जो वीरपुर बराज एवं वाल्मीकिनगर बराज से क्रमशः विगत 57 वर्षों एवं 21 वर्षों के दौरान प्रवाहित अधिकतम जलश्राव है। साथ ही बाढ़ अवधि 2025 में इन्द्रपुरी बराज से 5.39 लाख क्यूसेक जलश्राव प्रवाहित हुआ है।</p> <p>बांध सुरक्षा अधिनियम (डैम सेफ्टी एक्ट) 2021 के आलोक में उक्त बराजों के सभी असैनिक एवं यांत्रिक अवयवों का नियमित रख-रखाव करके क्रियाशील रखा जाता है।</p> <p>वर्तमान में वीरपुर बराज/वाल्मीकिनगर बराज की संरचनात्मक सुरक्षा का अध्ययन, केन्द्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे द्वारा किया जा रहा है। उक्त के अतिरिक्त वीरपुर बराज/वाल्मीकिनगर बराज पर विभिन्न संयंत्रों के अधिष्ठापन हेतु योजना की स्वीकृति की कारवाई प्रक्रियाधीन है।</p> <p>साथ ही वर्तमान में इन्द्रपुरी बराज के डाउनस्ट्रीम में बोल्टर पिचिंग का पुनर्स्थापन एवं मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है।</p> <p>वर्तमान में प्रश्नगत बराजों के सभी अवयव सुरक्षित हैं एवं सुचारू रूप से क्रियाशील हैं।</p>
<p>(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार सदन को बताएगी कि जनहित में इन तीनों बराजों से जुड़ी नदियों में विगत तीन वर्षों में आए अत्यधिक जलश्राव के कारण इन पर पड़े प्रतिकूल प्रभावों को दुरूस्त करने सहित अन्य क्या-क्या कार्य किये जाने वाले हैं, यदि हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों ?</p>	<p>वर्तमान में वीरपुर बराज/वाल्मीकिनगर बराज की संरचनात्मक सुरक्षा का अध्ययन, केन्द्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे द्वारा किया जा रहा है। उक्त के अतिरिक्त वीरपुर बराज/वाल्मीकिनगर बराज पर विभिन्न संयंत्रों के अधिष्ठापन हेतु योजना की स्वीकृति की कारवाई प्रक्रियाधीन है।</p> <p>साथ ही वर्तमान में इन्द्रपुरी बराज के डाउनस्ट्रीम में बोल्टर पिचिंग का पुनर्स्थापन एवं मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है।</p> <p>वर्तमान में प्रश्नगत बराजों के सभी अवयव सुरक्षित हैं एवं सुचारू रूप से क्रियाशील हैं।</p>

बिहार सरकार
जल संसाधन विभाग

ज्ञापांक :- 26/वि0प0-06-01/2026

पटना/दिनांक

प्रतिलिपि :-उप सचिव, बिहार विधान परिषद् सचिवालय, पटना को तारांकित प्रश्न सं0-1/212/92 का अनुमोदित उत्तर प्रतिवेदन पाँच प्रतियों सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0/-

(अनिल कुमार पाण्डेय)
सरकार के उप सचिव

ज्ञापांक :- 26/वि0प0-06-01/2026

पटना/दिनांक :.....

प्रतिलिपि : उप सचिव, संसदीय कार्य विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0/-

(अनिल कुमार पाण्डेय)
सरकार के उप सचिव

ज्ञापांक :- 26/वि0प0-06-01/2026

पटना/दिनांक :.....

प्रतिलिपि : अधीक्षण अभियंता, योजना एवं मोनिटरिंग, अंचल-3, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0/-

(अनिल कुमार पाण्डेय)
सरकार के उप सचिव

ज्ञापांक :- 26/वि0प0-06-01/2026

1084

पटना/दिनांक :.....

20/12/26

प्रतिलिपि : प्रशाखा पदाधिकारी, प्रशाखा-17, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना एवं कार्यपालक अभियंता आईटीओ सेंटर, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

A

20/12/26

(अनिल कुमार पाण्डेय)
सरकार के उप सचिव